श्री परमेश्वरी देवी पितरानीजी ट्रष्ट (मण्डावा)

कार्य-विवरण

एवं

आय-व्यय का व्योरा

ता० २४-१०-१९६० से १४-९-१९६६

निवेदन

मान्यवर महोदय,

आप सब को विदित है कि श्री परमेश्वरी देवी पितरानीजी का मण्डावा स्थित पुराना मन्दिर वर्षों पहले बालू के टीबों के नीचे दब गया था एवं उनकी दैनिक पूजा-अर्चना भी बंद हो गई थी । दादीजी की प्रेरणा से आज से करीब १० वर्ष पहले बजरंगलाल सराफ के प्रयास से दादीजी की मूर्ति बालू से बाहर निकाली गई एवं पुराने मन्दिर की छत पर एक मंढ़ बनवा कर विराजमान की गई । तब से मन्दिर में नित्य प्रति पूजा-अर्चना होने लगी है एवं प्रति वर्ष भादवा वदी १५ (अमावस्या) को दादीजी के पूजा भोग का बृहत् आयोजन किया जाता है । उस दिन मण्डावा निवासी श्रद्धालुजन बड़ी संख्या में मन्दिर में आकर पूजा करते हैं । इस निमित्त प्रति वर्ष कलकत्ते से भी अनेक भाई मण्डावा जाते हैं ।

बंधुओं, मन्दिर तथा मन्दिर के आस पास की जमीन(करीब २६ बीघा) श्री वासुदेवजी सराफ की थी । आदरणीय श्री ओंकारमलजी सराफ एवं श्री गोवर्धनदासजी सराफ के प्रयास से श्री वासुदेवजी सराफ ने उसमें से आधी जमीन तो सन् १९६० में ही मात्र २०००) में देने की स्वीकृति दे दी थी । बाकी की करीब १३ बीघा जमीन बाद में (ट्रष्ट बन जाने के बाद) स्व० महादेवलालजी सराफ के प्रयास से बिना कुछ मूल्य लिये दान स्वरूप ट्रष्ट को दे दी ।

दादीजी की कृपा से ता० २४ अक्टूबर,१९६० को सेठ रामजी दासजी सराफ के वंशज मन्दिर की व्यवस्था पर विचार करने के लिए एकत्र हुए । उस शुभ अवसर पर सभी भाइयों ने सहमत से दादीजी के मन्दिर की सुव्यवस्था करने के लिए तथा मन्दिर एवं मन्दिर के आस पास की जमीन लेने के लिए एक ट्रष्ट बनाने का निश्चय किया । ट्रष्ट का नाम रखा गया 'श्री परमेश्वरी देवी पितरानी जी ट्रष्ट' । उसी अवसर पर उपस्थित भाइयों ने ट्रष्ट फण्ड के लिए ५३४६) का चन्दा भी किया ।

(चन्दे का व्योरा संलग्न है)

ट्रष्ट के प्रथम ट्रष्टियों के लिए निम्नलिखित नाम सर्वसम्मति से स्वीकृत हुए :-

१) श्री सेवारामजी सराफ
२) श्री ओंकारमलजी सराफ
३) श्री गोवर्धनदासजी सराफ
४) श्री महादेवलालजी सराफ
५) श्री बजरंगलाल सराफ

ट्रष्ट के अन्तर्गत एक मैनेजिंग कमेटी का भी गठन किया गया एवं प्रथम मैने जिंग कमेटी के लिए निम्नलिखित नाम सर्वसम्मति से स्वीकृत हुए -

१-	श्री बाबूलाल सराफ	: सभापति
२-	,, राधाकृष्ण सराफ	: उप सभापति
३-	,, किशोरीलाल सराफ	: संयुक्त मंत्री
४-	,, बजरंगलाल सराफ	: ,,
५-	,, मदनलाल सराफ	: कोषाध्यक्ष
६-	,, सेवारामजी सराफ	: सदस्य
७-	,, ओंकारमलजी सराफ	,,
८-	,, गोवर्धनदासजी सराफ	,,
९-	,, महादेवलालजी सराफ	,,
१०-	,, वासुदेवजी सराफ	,,
११-	,, केशवदेव सराफ	,,
१२-	,, नानूराम सराफ	,,
१३-	,, हरिशरण सराफ	,,
१४-	,, गणानन्द सराफ	,,
१५-	,, श्रीकृष्ण सराफ	,,

अब मन्दिर के नीचे करीब २६ बीघा जमीन है । जमीन में बालू के टीबे हो टीबे हैं एवं चारो तरफ खुली है । जमीन को तीन तरफ से तो लोहे के एंगिल लगवा कर कांटेदार तारों से घिरवा दिया गया है तथा पूर्व तरफ (रास्ते पर) मिट्टी का डोला बनवाया गया है । मन्दिर के प्रवेश द्वार पर रखवाले के रहने के लिए टीन का एक घर भी बनवाया गया है तथा वहां २४ घंटे को पानी की प्याऊ की भी गत वर्ष से व्यवस्था की गई है । लोगों के बैठने के लिए पत्थर की २ बेंची भी लगवायी गई है

भादवा बदी १४ सम्वत् २०२१ तक तो दादीजी के मन्दिर का पूजा भोग तथा उत्सव का खर्च बजरंगलाल सराफ अपने पास से ही करते रहे । भादवा वदी १५ सम्वत् २०२१ से समूचा खर्चा ट्रष्ट का लगना शुरू होगया है । भाद्र अमावस्या २०२१ के पूजा-भोग तथा उत्सव के लिए तत्काल ही २४७) का चन्दा किया गया तथा यसके बाद से होनेवाले नियमित खर्च के लिए सभी भाइयों के सहयोग से वार्षिक चन्दा करीब ७००) का लिखा गया । ट्रष्ट के निर्माण से लेकर आज तक का आय-व्यय का हिसाब एवं तलपट आपकी जानकारी के लिए संलग्न है ।

मन्दिर के संचालन कार्य के लिए जिन भाइयों ने सहयोग दिया है उन सब के हमलोग आभारी हैं तथा हमारी ओर से उनको धन्यवाद देते हैं । श्री वासुदेवजी सराफ को हम विशेष रूप से धन्यवाद देते हैं - जिन्होंने बिना कुछ लिए १३ बीघा जमीन मन्दिर को देकर अपनी उदारता का परिचय दिया है । पुराने मन्दिर के बालू के नीचे दब जाने के कारण, नये मन्दिर के निर्माण की बहुत ही आवश्यकता है । आज वहां पूजा करने जाने-वालों के लिए किसी भी तरह की छाया की व्यवस्था नहीं है । इसके अलावे प्याऊ को सुचारू रूप से चलाने के लिए मन्दिर तक पानी के पाइप लगाने भी जरूरी है तथा आदमियों के रहने के लिए कम से कम एक पक्के घर की भी आवश्यकता । आप सभी भाइयों से अनुरोध है कि आप लोग इन कार्यों की पूर्ति के लिए अपना सहयोग देकर इनको शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करने की चेष्टा करें ।

किशोरीलाल सराफ
बजरंगलाल सराफ } संयुक्त मंत्री